

म्हारा सुवा बीरा रे,
छोटी की मरगी माई,
बाबुल म्हारो साधु होग्यो रे,
बाबुल म्हारो जोगी होग्यो रे ॥

म्हारा सुवा रे बैठचो र,
आमुल्या री ढाल,
बोली तो म्हाने प्यारी लागे रे,
बोली तो म्हाने मीठी लागे रे ॥

म्हारा सुवा रे कोण,
बन्धावे म्हाने धीर,
मायरो म्हारे कुण तो लासी रे,
चुनड म्हाने कुण उडासी रे ॥

म्हारा सुवा बीरा रें,
खडी सरवरया री पाल,
सरवरिया मे दूब मरूला,
सागर मे दूब मरूला रे ॥

नानी बाई रे हिवडा मे धीरज धार,
सावरियो बीरो आबा वालो रे,
नन्दलालो बीरो आबा वालो रे ॥

म्हारा सुवा बीरा रें,
सासुजी बोले म्हाने बोल,
नणदुली म्हाने गाल्या खाडे रे,
नाराणयो देवर मोसा बोले रे ॥

नानी बाई रे राधा रूकमण लार,
मायरो थारे वोही लासी रे,
चुनड थने वोही उढासी रे ॥

म्हारा सुवा बीरा रे,
छोटी की मरगी माई,
बाबुल म्हारो साधु होग्यो रे,
बाबुल म्हारो जोगी होग्यो रे ॥

प्रेषक रमेश प्रजापत टोंक ।

Source: <https://www.bharattemples.com/mhara-suva-beera-re/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>